PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Sandhya Times, Delhi
Friday 6th November 2015, Page: 11
Width: 17.37 cms, Height: 10.36 cms, a4, Ref: pmin.2015-11-07.27.7

कई बेहतरीन दवाएं वाजिब कीमत पर

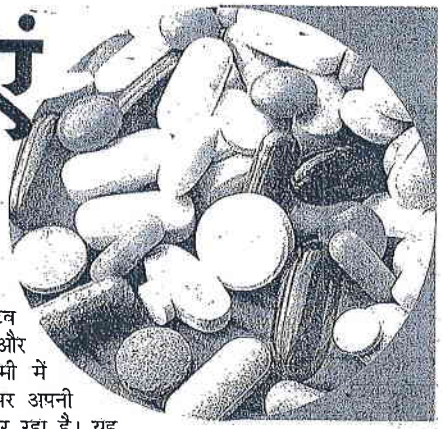

■ विकास दांडेकर

मर्क एंड कंपनी भारत में अपना बिजनेस 'वाजिब कीमत' वाली रणनीति के जरिये बढ़ाना चाहती है। 42 अरब डॉलर की अमेरिकी दवा कंपनी का कहना है कि वह नई दवाएं वाजिब कीमत पर भारत में लॉन्च करेगी। कंपनी हाल में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के एक मुकदमे में अपने हक में फैसला आने से भी खुश है। एंटी-डायबिटीज ड्रग जानुविया के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से मर्क के हक में फैसला आने के बाद कंपनी भारत में निवेश बढ़ाने की योजना बना रही है। मर्क के ग्लोबल चेयरमैन और सीईओ केनेथ फ्रेजियर ने अपनी भारत यात्रा के दौरान ईटी को खासतौर पर यह जानकारी दी। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय कंपनी ग्लेनमार्क को जानुविया की जेनेरिक कॉपी बेचने से रोक दिया था। फ्रेजियर पांच साल के बाद भारत आए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में प्रगति हुई है, वह उससे खुश हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन भारत की राह में अभी भी कई चुनौतियां हैं।'

फ्रेजियर ने बताया, 'भारत में आबादी का बड़ा हिस्सा रोजाना 2 डॉलर से कम पर गुजर-बसर कर रहा है। हालांकि, यहां बहुत पॉजिटिव एनर्जी दिख रही है और भारत ग्लोबल इकनॉमी में एक लीडर के तौर पर अपनी सही जगह हासिल कर रहा है। यह काम भारत रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिये नहीं कर रहा है, जिसकी उम्मीद की जाती थी।' उन्होंने कहा कि जेनेरिक में भारत काफी आगे है, लेकिन अब वह इनोवेटिव सोसायटी की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, फ्रेजियर ने हेल्थकेयर पर खर्च बढ़ाने की भी जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में खर्च बढ़ाने की जरूरत है।

फ्रेजियर ने उन आलोचनाओं को भी जवाब दिया, जिनमें कहा गया है कि हालिया दवाएं बहुत महंगी हैं और आबादी का बड़ा हिस्सा उसे अफोर्ड नहीं कर सकता। मर्क भारत जैसे देशों के लिए अलग प्राइसिंग पॉलिसी पर चलती है। उन्होंने बताया कि जानुविया की कीमत यहां 42 रुपये प्रति टैबलेट है, जो दुनिया में सबसे कम है। वह कई बेहतरीन दवाएं भी भारत में उस कीमत पर लाना चाहती है, जिसे गरीब भी खरीद सकें।